

आंतरिक गुणवत्ता आश्वस्ति प्रकोष्ठ
एवं

आई.टी. प्रकोष्ठ

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

ऑडिज्म कार्यशाला

प्रतिपुष्टि पत्रक

सत्र 2019-20



शासकीय मानकेंवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी
महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

बैंक

महाराष्ट्रपालय में दिनांक 15/02/2020 को आई एम सी. आई. टी. सेल एवम् मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला 'ऑरिजम' पर आयोजित की जा रही है, जिसके कुशल संयोजन हेतु गाढत कमेटी के सदस्यों को बैंक दिनांक 13/02/2020 को 3 बजे आतीर्ष कइ आयोजित हई आप सभी की उपस्थिति उर्षनीय हई।

1. डॉ सुनीति सेन - *Sen*
2. डॉ विनीता महोबिया - *Mahar*
3. डॉ किरण कुमार - *Kumar*
4. डा बलराम आहिरवार - *Ah*
5. डॉ वरुणराव बंसोडकर - *Bans*
6. डॉ मुस्तकीम रजा - *Raja*
7. डॉ सुनीता मिश्रा
8. डॉ अंजना धुव
9. डॉ मनोज छियरनि - *Ch*
10. डा रागीनी उपाध्याय - *U. 12/02/20*
11. डॉ सपना चौहान
12. डॉ उषा केली - *Kel*
13. डॉ अमिषा कोपर्डा - *Ko*
14. डा नीना उपाध्याय - *U. 12*
15. डॉ अर्चना सिंह - *Singh*
16. डॉ अर्चना इंदरिया - *Ind*
17. डॉ शांता राव
18. डॉ ममता वर्मन
19. डॉ वबीता सिंह - *Singh*
20. डॉ नंदिता छियंवडा छिवडी
21. श्री कपिल नेमा

I/c *Shukla*
12.02.2020

शासकीय मानकूँवरबाई महाविद्यालय में ऑटिज्म के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास विषय में कार्यशाला का आयोजन

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वतीपूजन से हुआ तथा महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। सेरेनडीप संस्था के अध्यक्ष डॉ. नवीन शर्मा, श्रीमती कविता शर्मा, डॉ. अजीत दुबे, श्रीमती मधुलिका शर्मा के अथक प्रयासों से इस संस्था द्वारा ऑटिज्म के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास कार्यशाला के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुधा मेहता द्वारा कार्यशाला का परिचय एवं उद्देश्य बताया। जबलपुर मेडीकल कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. गुरमीत सिंह द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह मानसिक कठिनाई है जिसकी पहचान जन्म से ¹² से 18 माह में हो जाती है तभी इसे समझकर स्वीकार कर, अपनाकर यदि इलाज प्रारंभ किया जाये तो सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। वास्तव में ऐसे बच्चों का व्यक्तित्व बहुआयामी होता है। मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. रायचंदानी प्रसिद्ध मनोचिकित्सक जबलपुर मेडीकल कॉलेज द्वारा अपने वक्तव्य में ऑटिज्म के लक्षणों को बताते हुए कहा गया—कि इन बच्चों में 1. कम्यूनिकेशन प्रब्लम होती है। 2. आई कांटेक्ट (आँख से आँख नहीं मिला पाता) 3. प्रतिक्रिया नहीं दे पाता। डॉ. सारंग पुराणिक ने अपने विस्तृत प्रेजेन्टेशन में ऑटिज्म की समस्या, लक्षण, सुझाव, निराकरण हेतु प्रयास के संबंध में स्पष्ट किया। कार्यशाला में सभी सत्रों में समाज से जुड़े सभी चिकित्सकों, समाजसेवियों ने यह जागरूकता फैलाने का प्रयास किया कि यदि माता-पिता बच्चों के व्यवहार में प्रारंभ में यदि कुछ असामान्य देखते हैं तो इसे छुपाये नहीं, डॉक्टर से चर्चा करें, इसे अपनाये और बच्चे की समस्या को समझकर उसकी रूचि के अनुसार उसे दिशा प्रदान करें उसे समाज की मुख्यधारा में शामिल होने में सहयोग प्रदान करें क्योंकि ऐसे बच्चे असाधारण प्रतिभा के धनी होते हैं।

इस कार्यशाला में इन्दौर के प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. अनंत शर्मा, डॉ. सारंग पौराणिक, डॉ. ^{रत्न}समरसिंह, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. अजय दुबे द्वारा भी अपने व्याख्यान में ऑटिज्म के प्रति जागरूकता ^{प्रसार} फैलाने और ऐसे बच्चों को प्रेम से स्वीकार कर उसे समाज की मुख्यधारा में शामिल करने में सहयोग करें। डॉ. सारंग पौराणिक आक्यूपेशनल थेरेपिस्ट द्वारा स्पष्ट किया गया कि इससे थेरेपिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है यह ऐसे बच्चों की जीवन शैली, दैनिक क्रियाओं को बेहतर बनाने में उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करता है। कार्यशाला में आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सुधा मेहता, डॉ. उषा कैली, डॉ. नीना उपाध्याय एवं डॉ. शान्ताराय, डॉ. ममता बर्मन, डॉ. विनीता महोबिया, डॉ. सुनीता मिश्रा, डॉ. अर्चना देवलिया, डॉ. बलीराम अहिरवार, डॉ. नंदिता त्रिवेदी, डॉ. मुक्ता ब्यौहार, डॉ. स्मिता जैन, डॉ. जे.के. गुजराल, डॉ. पुष्पा करवाल, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. मुस्तकीम रजा एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ^{प्रमाण पत्र लेखन में डॉ. अर्चना सिंह, प्रतिबंध लेखन डॉ. शर्मा चौरा}
^{एवं मनोज प्रियदर्शन का सहयोग रहा।}

कार्यशाला प्रभारी

प्राचार्य
15.02.2020

(1)

फीडबैक

नाम:- Mahima Maryhi

पद/कक्षा:- B.A. 1st year

संस्था का नाम:- M.K.B. Woman College

नोट:- निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर () का चिह्न लगाये।

प्र.1 क्या प्रस्तुत कार्यशाला आप की राय में सहायक सिद्ध हुई है?

पूर्णतः आंशिक बिल्कुल नहीं

प्र.2 क्या आप इस तरह की कार्यशाला में सम्मिलित होना चाहेंगे?

हमेशा कभी-कभी कभी नहीं

प्र.3 क्या आप कार्यशाला में प्रस्तुत समस्या एवं उपचार से सहमत हैं?

पूर्णतः सहमत सहमत पूर्णतः असहमत

प्र.4 क्या इस प्रकार की कार्यशाला भविष्य में भी संचालित होती रहनी चाहिए?

हमेशा कभी कभी कभी नहीं

प्र.5 प्रस्तुत कार्यशाला को आप किस श्रेणी में रखना पसंद करेंगे?

उच्च मध्यम निम्न

सुझाव इस प्रकार की समस्याओं के उपचार के लिए समय-समय पर समूहिक रूप कार्यशाला का संचालन करना चाहिए ताकि भविष्य में भी होने वाले समस्याओं के समाधान व्यक्ति स्वयं कर सके।

इस प्रकार की कार्यशाला भविष्य में भी निरन्तर संचालित होती रहनी चाहिए जिससे बच्चों और अभिभावकों के लिए जागरूक हो जाय। ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्या उत्पन्न ही न हो। सभी लोगों को जागरूक रहना चाहिए जिससे समाज में ऐसी उत्पन्न ही न हो। और उत्पन्न हो तो इस समस्या पूर्ण रूप से निष्करण हो सके। (पहली बात तो जागरूकता इतनी फैली हो की समस्या उत्पन्न ही न हो।)



The Serrendip

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

THIS CERTIFICATE IS AWARDED TO

Ku. Neha Sharma

FOR ATTENDING A ONE DAY WORKSHOP ON OCCUPATIONAL THERAPY AND AUTISM.

THE WORKSHOP WAS ORGANISED BY THE SERRENDIP
IN COLLABORATION WITH

GOVT. MKB ARTS AND COMMERCE COLLEGE, JABALPUR, MP
ON FEBRUARY 15, 2020.

DR. NAVIN KUMAR SHARMA
PRESIDENT
THE SERRENDIP, JABALPUR, MP
www.serrendipforautism.com

CONVENER
GOVT. MKB AUTONOMOUS COLLEGE
OF ARTS AND COMMERCE FOR WOMEN, JABALPUR, MP
<http://www.mphighereducation.nic.in/gmkbcbabalpur>

PRINCIPAL
GOVT. MKB AUTONOMOUS COLLEGE
OF ARTS AND COMMERCE FOR WOMEN, JABALPUR, MP
<http://www.mphighereducation.nic.in/gmkbcbabalpur>